सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	अनिवार्य							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी एकांकी : सप्त एकांकी एवं व्याकरण							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०४	०१	०३	००	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	अनिवार्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र हिन्दी एकांकी के स्वरूप को विस्तार से जानें ।
- छात्र नाट्य प्रकारों को जानें ।
- छात्र हिन्दी एकांकी नाटकों का उद्भव एवं विकास समझे ।
- छात्र भारतीय एवं पारसी रंगमंच की स्थापना का इतिहास समझे ।
- छात्र नाटक एवं नाट्य का भेद समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम में समाविष्ट एकांकीकारों का परिचय प्राप्त करें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	डॉ. रामकुमार वर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी में कथानक				
		'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी में व्यक्त ऐतिहासिकता				
		एकांकी कला के आधार पर 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी का मूल्यांकन				
		उपेन्द्रनाथ 'अश्क' : व्यक्ति एवं कृतित्व				
		'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी का कथासार				
	ईकाई-२	एकांकी के तत्वों के आधार पर 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी का मूल्यांकन				
		'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी में व्यक्त लेखक की स्वानुभूति				
		भुवनेश्वरप्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'स्ट्राईक' एकांकी का कथानक				
		एकांकी-कला के आधार पर 'स्ट्राईक' एकांकी का मूल्यांकन				
		आधुनिक स्त्री-पुरुष के संबंधो की एक उबाऊ जीवन यात्रा - 'स्ट्राईक'				
	ईकाई-३	जगदीशचन्द्र माथुर : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का कथानक				
		एकांकी-कला के आधार पर 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का मूल्यांकन				
		'रीढ़ की हड्डी' में व्यक्त सामाजिक यथार्थवाद				
		ममता कालिया : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		'यहाँ रोना मना है' एकांकी का कथानक				
	ईकाई-४	एकांकी के आधार पर 'यहाँ रोना मना है' एकांकी का मूल्यांकन				
		'यहाँ रोना मना है' एकांकी में व्यक्त नारी चेतना				
		आवेदन-पत्र				
		व्यावसायिक-पत्र				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) - 'पृथ्वीराज की आँखें' एकांकी का उद्देश्य - 'लक्ष्मी का स्वागत' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता - 'स्ट्राईक' एकांकी में व्यक्त संवाद-योजना - 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी की भाषा-शैली - 'यहाँ रोना मना है' एकांकी का उद्देश्य - 'स्ट्राईक' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : सप्त एकांकी
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, डी-१९/२२०, नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाडज, अहमदाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी समस्यामूलक नाटकों की शिल्प-विधि : पूनम कुमारी - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
२. नया हिन्दी नाटक : भानुदेव शुक्ल - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
३. आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
४. नाटक और नाट्य शैलियाँ : दुर्गा दीक्षित - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
५. हिन्दी के नाट्य शिल्पी : शान्ति मलिक - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
६. नाट्य सिद्धांत विवेचन - शान्ति मलिक - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
७. आधुनिक व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद - भारती भवन, पटना
८. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. वासुदेवनन्दन प्रसाद - भारती भवन, पटना
९. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ. हरिवंश तरूण- प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
१०. हिन्दी भाषा और लिपि : धीरेन्द्र वर्मा - हिन्दुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
११. हिन्दी भाषाा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा - हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयाग
१२. हिन्दी व्याकरण कौमुदी : लोकनाथ द्विवेदी शीलाकारी - साथी प्रकाशन, सागर, मध्यप्रदेश ।
१३. भाषा विज्ञान की भूमिका : डॉ. देवेन्द्र वर्मा - राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१४. हिन्दी प्रयोग : रामचंद्र वर्मा - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	०५							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	आधुनिक हिन्दी छायावादी काव्य : छायावादी काव्य–वैभव							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०३	०५	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र हिन्दी कविता के विकासक्रम को जानें ।
- छात्र छायावादी काव्य पर विदेशी साहित्य का प्रभाव विस्तार से समझे ।
- छात्रगण छायावादी काव्य एवं हालावादी काव्य का अंतर समझे ।
- छात्र पाठ्यक्रम में समाविष्ट कवियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समझे ।
- छात्रगण पाठ्यक्रम में समाविष्ट कविता के भाव एवं शिल्प को समझे ।
- छात्र छायावादी काव्य–प्रवृत्तियों को विस्तार से समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य–विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई–१	जयशंकर प्रसाद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य का मूल्यांकन				
		'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना				
		'हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से' काव्य का उद्देश्य				
		सुमित्रा नन्दनपंत : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
	ईकाई–२	'प्रथम रश्मि' काव्य का भावार्थ				
		'प्रथम रश्मि' काव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		'ताज' काव्य का भावार्थ				
		'ताज' काव्य के शीर्षक सार्थकता				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'भारतमाता' काव्य का मूल्यांकन				
	ईकाई–३	'भारतमाता' काव्य में व्यक्त ग्राम चेतना				
		'भारतमाता' काव्य के शीर्षक की सार्थकता				
		सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'वह तोडती पत्थर' काव्य का मूल्यांकन				
		'वह तोडती पत्थर' काव्य के शीर्षक की सार्थकता				
	ईकाई–४	भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'भिक्षुक' काव्य का मूल्यांकन				
		'भिक्षुक' काव्य में व्यक्त भिक्षुक की मन:स्थिति				
		महादेवी वर्मा का व्यक्तित्व एवं कृतित्व				
		भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से 'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' काव्य का मूल्यांकन				
		'मधुर मधुर मेरे दीपक जल' काव्य का उद्देश्य				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य–विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य–विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – ‘हिमाद्रि तुङ्ग श्रृंङ्ग से’ काव्य के शीर्षक की सार्थकता – ‘प्रथम रश्मि’ काव्य का संदेश – ‘वह तोडती पत्थर’ काव्य के शीर्षक की सार्थकता – ‘ताज’ काव्य का उद्देश्य – ‘भारतमाता’ काव्य का उद्देश्य – 'भिक्षुक' काव्य का उद्देश्य		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : छायावादी काव्य–वैभव
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : शान्ति प्रकाशन, डी–१९/२२०, नंदनवन एपार्टमेन्ट (भावसार होस्टेल के पास), नवा वाडज, अहमदाबाद ।

संदर्भ ग्रंथ :

१. कामायनी एक अध्ययन : डॉ. मेरगसिंह यादव – दर्पण प्रकाशन, आणंद
२. छायावाद : डॉ. नामवरसिंह – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. प्रसाद काव्य : प्रतिभा और संरचना : डॉ. हरिप्रसाद गुप्त – भाषा साहित्य संस्थान, इलाहाबाद
४. छायावाद के स्तंभ, डॉ. विजयपाल सिंह – जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
५. हिन्दी के अर्वाचीन रत्न : डॉ. विमलकुमार जैन – नेशनल पब्लिशींग हाउस दिल्ली
६. पंत : आधुनिक कवि : प्रो. राजकुमार शर्मा, पद्म बुक कम्पनी, जयपुर
७. सुमित्रानंदन पंत तथा आधुनिक हिन्दी कविता में परंपरा और नवीनता : ई. चेलीशेव – रामकमल प्रकाशन, दिल्ली
८. महाकवि निराला : सं. जानकीवल्लभ शास्त्री – निराला निकेतन, मुजफ्फरपुर
९. महादेवी : नया मूल्यांकन : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त, भारतेन्दु भवन, शिमला – ०१
१०. निराला : आत्महन्ता आस्था, दूधनाथसिंह, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
११. प्रसाद–प्रतिभा, सं. डॉ. इन्द्रनाथ मदान, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१२. हिन्दी–साहित्य का सर्वेक्षण (काव्य खण्ड), विश्वम्भर 'मानव' – लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
१३. महादेवी वर्मा (चिन्तन और कला), सं. इन्द्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
१४. सुमित्रानन्द पन्त, डॉ. नगेन्द्र, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
१५. निराला, रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
१६. समकालीन कवि : दृष्टि और बोध, रतनकुमार पाण्डेय, अनंग प्रकाशन, दिल्ली–५३
१७. कविता की जमीन और दर्शन, शांति जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१८. सुमित्रानंदन पंत जीवन और दर्शन, शांति जोशी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१९. आज के लोकप्रिय कवि सुमित्रानन्दन पंत, डॉ. हरिवंशराय बच्चन, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
२०. आज के लोकप्रिय कवि महादेवी वर्मा, गंगाप्रसाद पांडेय, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा । **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।** **★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।** **★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।** **★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।**	**पाठ्य पुस्तक : त्यागपत्र** **लेखक : जैनेन्द्रकुमार** **प्राप्ति स्थान : पूर्वोदय प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली ।**

संदर्भ ग्रंथ :

१. द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली

२. उपन्यास : स्थिति और गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर – पूर्वोदय प्रकाशन, नई दिल्ली

३. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

४. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सं. भीष्म साहनी – राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली

५. हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ : डॉ. शशिभूषण सिंहल – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

६. साठोत्तर हिन्दी उपन्यास : सं. रामजी तिवारी – परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई

७. हिन्दी उपन्यास की दिशाएँ : डॉ. वेदप्रकाश 'अमिताभ' – गोविन्द प्रकाशन, सदर बजार, मथुरा

८. हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक परिप्रेक्ष्य, दुर्गेश नन्दिनी, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नयी दिल्ली

९. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : डॉ. रामदरश मिश्र – गिरनार प्रकाशन, महेसाणा

१०. अवगाहन : डॉ. गिरीश त्रिवेदी – प्रणव प्रकाशन, राजकोट

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	०६							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी का मनोवैज्ञानिक उपन्यास : त्यागपत्र							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०२	०१	०३	०६	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	गौण – १	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्रगण हिन्दी मनोवैज्ञानिक उपन्यास परम्परा को समझे ।
- छात्र उपन्यास और कहानी की भेद-रेखा को जानें ।
- छात्र फ्राइड के 'मनोविश्लेषणात्मक' सिद्धांत को गहराई से जानें ।
- छात्र जैनेन्द्रकुमार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को जानें ।
- छात्र पाठ्यक्रम कृति 'त्यागपत्र' में व्यक्त पात्रों की मन:स्थितियों को जानें ।
- छात्रगण 'त्यागपत्र' उपन्यास की जातिगत व्यवस्था को जानें ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	जैनेन्द्रकुमार : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी की मनोवैज्ञानिक उपन्यास परम्परा : उद्भव एवं विकास				
		'त्यागपत्र' की कथावस्तु				
		मृणाल का चरित्र-चित्रण				
	ईकाई-२	उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'त्यागपत्र' का मूल्यांकन				
		'त्यागपत्र' उपन्यास की मनोवैज्ञानिकता				
		'त्यागपत्र' उपन्यास की संवाद-योजना				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त परिवेश				
	ईकाई-३	'त्यागपत्र' उपन्यास का नायकत्व				
		प्रमोद का चरित्र-चित्रण				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त समाज-व्यवस्था				
		'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त दाम्पत्य-संबंध				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) – 'त्यागपत्र' उपन्यास का उद्देश्य – 'त्यागपत्र' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता – 'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त प्रेमानुभूति – 'त्यागपत्र' उपन्यास की भाषा-शैली – 'त्यागपत्र' उपन्यास का अन्त – 'त्यागपत्र' उपन्यास में व्यक्त मानवीय संवेदना		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट (गुजरात)
चोईस बेइझ क्रेडिट सिस्टम (CBCS)
कला संकाय (स्नातक हिन्दी) पाठ्यक्रम
वर्ष – २०१६

विषय	हिन्दी							
पाठ्यक्रम (पेपर) क्रमांक	०७							
पाठ्यक्रम (पेपर) शीर्षक	हिन्दी साहित्य का इतिहास – आदिकाल, भक्तिकाल							
पाठ्यक्रम (पेपर) का ईकाई क्रम	१६	०१	०३	०१	०१	०३	०७	०१
परीक्षा समयावधि	नियमित परीक्षार्थी	०२:१५ घण्टे						
	बाह्य परीक्षार्थी	०३:०० घण्टे						

पाठ्यक्रम कक्षा	सत्र	पाठ्यक्रम प्रकार	क्रेडिट (मूल्य)	आंतरिक अंक	बाह्य अंक	प्रायोगिक / मौखिकी अंक	कुल अंक
स्नातक	०३	मुख्य	०३	३०	७०	–	१००

पाठ्यक्रम उद्देश्य :
- छात्र हिन्दी साहित्य के इतिहास के विकास क्रम को समझे ।
- छात्रगगण साहित्य के इतिहास से बदलती रचनात्मक प्रक्रिया को विस्तार से समझे ।
- छात्रगण राष्ट्रीय चेतना में कबीर, जायसी का महत्त्व समझे ।
- छात्र हिन्दी साहित्य के सृजनशीलता के विविध रूपों को जानें ।
- छात्रगण हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से परिवर्तन होती जा रही साहित्यिक प्रवृत्तियों को जानें ।
- छात्रगण ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी शाखा के माध्यम से सामाजिक सुधार को समझे ।

पाठ्य क्रम	पाठ्य ईकाई	पाठ्य-विषय	अंक		क्रेडिट	
			नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी	नियमित परीक्षार्थी	बाह्य परीक्षार्थी
स्नातक	ईकाई-१	हिन्दी साहित्य के इतिहास की लेखन परम्परा	इनमें से पाँच प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७०	इनमें से सात प्रश्न पूछे जाएँगें । प्रश्न × अंक ०५ × १४ = ७० प्रश्न × अंक ०२ × १५ = ३०	०२	०३
		हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा-निर्धारण एवं नामकरण				
		हिन्दी साहित्य का आदिकाल : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ				
		आदिकालीन साहित्य : सिद्ध-साहित्य, नाथ-साहित्य, जैन-साहित्य, रासो-साहित्य, रास-साहित्य				
		आदिकालीन संत साहित्य : गद्य-साहित्य एवं स्फुट रचनाएँ				
	ईकाई-२	भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि				
		भक्तिकाल की परिस्थितियाँ				
		भक्तिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		भक्तिकाल सुवर्ण-युग के रूप में				
		भक्तिकालीन साहित्य और साहित्यकार				
	ईकाई-३	निर्गुण शाखा की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		ज्ञानाश्रयी शाखा (संत शाखा) की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		ज्ञानश्रयी शाखा (संत शाखा) के प्रमुख कवि				
		कबीर का समाज सुधारक के रूप में मूल्यांकन				
		ज्ञानाश्रयी शाखा (संत शाखा) के गौण कवि				
	ईकाई-४	प्रेमाश्रयी शाखा (सूफी शाखा) की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ				
		प्रेमाश्रयी शाखा (सूफी शाखा) के प्रमुख कवि				
		जायसी और उनका पद्मावत				
		प्रेमाश्रयी शाखा के गौण कवि				
		ज्ञानाश्रयी (संत शाखा) प्रेमाश्रयी (सूफी शाखा) की तुलना				
		कुल अंक एवं क्रेडिट	७०	१००	०३	०४

आंतरिक मूल्यांकन (केवल नियमित छात्रों के लिए)

पाठ्य क्रम	मूल्यांकन विषय	पाठ्य-विषय	अंक	क्रेडिट
स्नातक	असाईन्मेन्ट	निर्धारित पाठ्य-विषय में से किसी एक या दो विषय पर केन्द्रित हस्त लिखित असाईन्मेन्ट तैयार करना होगा ।	१०	०१
	सेमिनार/स्वाध्याय	सेमिनार के विकल्प में स्वाध्याय पत्र या प्रोजेक्ट पत्र का प्रावधान है ।	१०	
	आंतरिक कसौटी	आंतरिक कसौटी के लिए दस प्रश्न के दस अंक निर्धारित हैं ।	१०	
		कुल अंक एवं क्रेडिट	३०	०१

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

विभाग	प्रश्न का स्वरूप	समय	कुल प्रश्न	अंक	कुल अंक
अ	१. आलोचनात्मक प्रश्न	२.१५	०४	१४	५६
	२. संक्षिप्त प्रश्न (टिप्पणी) - पृथ्वीराज रासो - अमीर खुसरो - कबीर के राम - पद्मावत की प्रतिकात्मकता - रैदास - मीरांबाई - अष्टछाप के कवि - विद्यापति - तुलसी का लोकनायकतत्व - जायसी के पद्मावत में हिन्दु-मुस्लिम एकता		०२	०७	१४
ब	आलोचनात्मक प्रश्न (केवल बाह्य परीक्षार्थी के लिए)	०.४५	०२	१५	३०

नोट : ★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय २.१५ घण्टे का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र का समय ३.०० घण्टे का रहेगा ।
★ नियमित परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र ७० अंक का रहेगा ।
★ बाह्य परीक्षार्थी के लिए प्रश्नपत्र १०० अंक का रहेगा ।
★ नियमित एवं बाह्य परीक्षार्थी के लिए पाठ्यक्रम समान रहेगा ।

पाठ्य पुस्तक : हिन्दी साहित्य का इतिहास
संपादक : डॉ. बी. के. कलासवा
प्राप्ति स्थान : भगवती प्रकाशन, राजकोट

संदर्भ ग्रंथ :

१. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल - नागरी प्रचारणी सभा, काशी
२. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी - राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
३. हिन्दी साहित्य : उद्भव और विकास, हजारीप्रसाद द्विवेदी - रामकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
४. जायसी ग्रंथावली : सं. रामचन्द्र शुक्ल - नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
५. सूफी कवि जायसी का प्रेम-निरूपण : निजामुद्दीन अंसारी - पुस्तक संस्थान, कानपुर
६. हिन्दी साहित्य : परम्परागत विवाद एवं नये समाधान - डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त - अटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्युटर्स
७. पद्मावत का काव्य सौंदर्य : प्रो. शिवसहाय पाठक - हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर, मुंबई
८. मध्यकालीन हिन्दी भक्ति साहित्य की प्रासंगिकता : डॉ. वी. एन. फिलिप - जवाहर पुस्तकालय, मथुरा
९. हिन्दी साहित्य का अतीत, प्रथम भाग : विश्वनाथप्रसाद मिश्र - वाणी-वितान प्रकाशन, वाराणसी
१०. भक्ति काव्य की सामाजिक-सांस्कृतिक चेतना : प्रेमशंकर - दि मेकमिलकन कंपनी ऑफ इन्डिया, दिल्ली
११. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी-गुजराती काव्य : विविध संदर्भ - डॉ. एस. पी. शर्मा - शान्ति प्रकाशन, रोहतक
१२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेन्द्र - नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
१३. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. ईश्वरदत्त शील, डॉ. आभा रानी - चन्द्रलोक प्रकाशन, कानपुर
१४. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी : राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
१५. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त - भारतेन्दु भवन, चंडीगढ
१६. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : डॉ. शिवकुमार शर्मा - अशोक प्रकाशन, दिल्ली
१७. उत्तरी भारत की संत-परम्परा : परशुराम चतुर्वेदी - भारती-भण्डार, प्रयाग
१८. कबीर की भक्ति भावना : विलियम द्वायर - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
१९. कबीर और अखा का समाज-विमर्श : डॉ. शैलेश के. मेहता - के. एस. पब्लिकेशन, भोपाल
२०. इतिहास और आलोचना : डॉ. नामवरसिंह - रामकमल प्रकाशन, दिल्ली
२१. भारतीय साहित्य का सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ. मितल जे. भालोडिया - पैरेडाईज पब्लिशर्स, जयपुर
२२. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ. बी. के. कलासवा - भगवती प्रकाशन, राजकोट
२३. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) : डॉ. स्मिता सी. पटेल - शान्ति प्रकाशन, अहमदाबाद